सामाजिक वानिकी एवम पारि–पुनर्स्थापन केन्द्र, इलाहाबाद

प्रशिक्षण कार्यक्रम .... बांस की व्यावसायिक खेती

सामाजिक वानिकी एवं पारि–पुनर्स्थापन केन्द्र के तत्वाधान में कृषकों हेतु पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 02–06 नवम्बर, 2015 तक किया गया। प्रशिक्षण का विषय था–''बांस की व्यावसायिक खेती; नर्सरी, रोपण एवं बिक्री विधियां। प्रशिक्षण में इलाहाबाद तथा समीपवर्ती क्षेत्र के कृषकों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में महिला कृषक प्रशिक्षुओं ने भी उत्साहवर्धक रूप से भाग लिया। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि मुख्य वन संरक्षक पूर्वी क्षेत्र, इलाहाबाद श्री जी.एन. मूर्ती, ने कार्यक्रम को शोभायमान किया। केन्द्र की निदेशक डा0 कुमुद दूबे ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के तकनीकी सत्रों में वैज्ञानिकों तथा विषय विशेषज्ञों द्वारा बांस की व्यावसायिक खेती सम्बन्धी विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान दिये गये। केन्द्र की वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर ने बांस की नर्सरी स्थापना तथा सामान्य नर्सरी रख–रखाव पर विस्तार में प्रकाश डाला गया। बासों के विभिन्न प्रकार, उनकी पहचान तथा रोपण की सामान्य विधियों की जानकारी केन्द्र के ही आलोक पाण्डेय वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता द्वारा दी गयी। कृषकों की निजी भूमि पर बांसों की कृषि वानिकी में भूमिका के विषय में केन्द्र की वैज्ञानिक डा0 अनुभा श्रीवास्तव द्वारा विस्तार में जानकारी दी गयी।

बांसों की उपयोगिता विषय पर केन्द्र की निदेशक तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 कुमुद दूबे द्वारा विस्तार में जानकारी दी गयी। बांसों में लगने वाली विभिन्न बीमारियां तथा उनके निदान विषय पर केन्द्र के डा0 वी0 पी0 पाण्डेय, अनुसंधान अधिकारी द्वारा जानकारी दी गयी।

बांसुरी विधि द्वारा बांस के प्रवर्धन तकनीक की विस्तृत जानकारी इलाहाबाद कृषि विश्वविद्यालय नैनी के डा0 रामचन्द्र द्वारा दी गयी। बांस की कोठी प्रबन्धन तथा रख–रखाव की विशेष जानकारी केन्द्र की वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर द्वारा दी गयी। मोनोपोडियल तथा सिम्पोडियल बांसों की संरचना पहचान तथा कृषकों हेतु उपयोगिता की विशेष व्याख्या वैज्ञानिक डा0 कुमुद दूबे द्वारा की गयी। बांसों की बिक्री विधियां उपस्थित बाजार, संग्रहण तथा भण्डारण विधियों की विस्तृत जानकारी केन्द्र की वैज्ञानिक डा0 अनुभा श्रीवास्तव द्वारा दी गयी।

प्रतिभागियों को इलाहाबाद कृषि विवि, नैनी, में बांस के प्रायोगिक स्थल, बायोवेद संस्थान में बांस के हैंडीक्राफ्ट तथा फूलपुर तहसील में कृषक की निजी भूमि पर स्थापित बांस के रोपण का प्रदर्शन तथा क्षेत्र भ्रमण प्रभात कुमार, अनुसंधान सहायक, द्वारा कराया गया।

समापन सत्र में डी एफ ओ, इलाहाबाद मनोज खरे तथा एस.एन. शुक्ला, ए0सी0एफ0 ने अतिथि के रूप में कार्यक्रम को सुशोभित किया। प्रतिभागियों ने अपने विचार रखे तथा विशेषज्ञों द्वारा उनकी शंकाओं का निवारण किया गया।

कार्यक्रम का सफल आयोजन डा0 कुमुद दूबे, निदेशक के निर्देशन में डा0 अनीता तोमर तथा डा0 अनुभा श्रीवास्तव द्वारा ए0 के0 श्रीवास्तव, अनुभाग अधिकारी, सियाराम, अनुभाग अधिकारी, डा0 एस0 डी0 शुक्ला, अनुसंधान सहायक, आलोक, उमाकान्त, प्रवीण, सुधीर, अंकुर, तथा तरूण के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डा0 अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के सौजन्य से नेशनल बैम्बू मिशन द्वारा प्रदत्त वित्तीय सहायता द्वारा आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह

कार्यक्रम में आयोजित विषय–''बांस की व्यावसायिक खेती'' का व्याख्यान

कार्यक्रम के दौरान कृषि विश्वविद्यालय, नैनी का क्षेत्रीय भ्रमण

बायोवेद अनुसंधान संस्थान का भ्रमण और बांस की कारीगरी का प्रदर्शन

कार्यक्रम के अन्तर्गत फूलपुर के गांवों का भ्रमण

प्रमाण–पत्र वितरण एवं कार्यक्रम समापन सत्र